[Shri Md. Nadimul Haque]

I belong to a party whose entire ideology is based on the betterment of *Maa, Matti* and *Manush*. We take this issue very seriously. We have started all-women police stations as well as fast track courts for the fast disposal of justice. Sir, through this august House, I request the Government of India to reconsider its decision of reducing the number of Nirbhaya Centres. Thank you.

Obscene messages/photos being received on mobile phones and internet

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, हमारे देश में 80 करोड़ से भी ज्यादा लोग मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। निश्चित तौर से मोबाइल संवाद का एक बहुत बड़ा जरिया है, लेकिन मोबाइल के अधिक इस्तेमाल से मानसिक तनाव और बहुत सारी बीमारियां जन्म ले रही हैं। इससे आगे बढ़कर इंटरनेट, फेसबुक और वाट्स ऐप पर अश्लील चित्रों को दर्शाने का सिलसिला चल रहा है, इन पर आपत्तिजनक सामग्री दिखाई जा रही है और गंदे गानों का इस्तेमाल हो रहा है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि आज सामान्यतः परिवारों में बच्चों के साथ मोबाइल को ऑपरेट करना भी मुश्किल हो गया है।

उपसभापति महोदय, मैं यह महसूस करता हूं कि मोबाइल पर बहुत सारे मैसेज ऐसे भी आ रहे हैं, जो धार्मिक और साम्प्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। खासतौर से नौजवानों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मेरी जानकारी में यह बात है कि कई देशों में इस अश्लीलता को, इस भौंडेपन को ध्यान में रखते हुए, इस सिस्टम पर सख्त कानून भी बनाए गए हैं, लेकिन हमारे देश में अभी तक इस अपराध पर ऐसा कोई कड़ा कानून नहीं बना है, जिससे इस तमाम भौंडेपन पर अश्लील चित्रों पर, भद्दी भाषा पर विराम लग सके। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से इस बात का अनुरोध करता हूं कि हमारे देश में लगातार साम्प्रदायिक सद्भाव और धार्मिक माहौल को बिगाड़ने का प्रयास, नौजवानों को दिशाहीन करने का प्रयास तथा घरों में बच्चों के सामने आज मोबाइल को देखने का संकट जैसे मसले खड़े हो गए हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि भारत की संस्कृति को, भारत की सभ्यता को अगर बचाना है, तो हमें सख्त कानून बनाकर इन तमाम गंदे चित्रों पर, अश्लील गानों पर, अश्लील भाषा पर विराम लगाना पड़ेगा और इस पर सरकार जल्दी से सख्त फैसला ले अन्यथा देश के हालात और भी ज्यादा खराब हो सकते हैं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री मधुसूदन मिस्त्री (गुजरात): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री बसावाराज पाटिल (कर्णाटक): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री परवेज़ हाशमी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री मेघराज जैन (मध्य प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजाराम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RANJIB BISWAL (Odisha): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Incidents of insurgency in Manipur

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड) : उपसभापति महोदय, मैं बहुत उत्साह से मणिपुर की भयानक स्थिति के बारे में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। वह प्रदेश एक छोटा प्रदेश है और वहां 27 लाख की जनसंख्या है, लेकिन वहां पर 38 आतंकवादी और विद्रोही संगठन काम कर रहे हैं। इनके सबसे प्रमुख संगठन का नाम People's Liberation Army है, जिसकी मान्यता है कि वह मार्क्सिस्ट, लेनिनिस्ट विचारधारा को मानता है। वहां पिछले दो वर्षों में सौ से ज्यादा भारतीय नागरिक मारे गए हैं, जिनमें से अधिकांश बिहार से थे। उपसभापति महोदय, वहां पर हिन्दी प्रतिबंधित है। आप वहां एक लाख रुपए का पुरस्कार रख दें और पूरे मणिपुर में घूम लें, लेकिन आपको हिन्दी का एक शब्द, एक मूवी, एक बैनर और एक पोस्टर देखने को नहीं मिलेगा। मैरी कॉम वहां की विश्वविख्यात बॉक्सर रही हैं, जो मणिपुर से हैं। उनके जीवन पर एक फिल्म बनी और वह फिल्म मणिपुर में नहीं दिखाई गई, क्योंकि वह फिल्म हिन्दी में थी। आप कोई भी भाषा लिखिए, पढ़िए या मत पढ़िए, आपकी choice है, लेकिन अगर आप बिहार में तमिल, तेलुगू को प्रतिबंधित करें और इस कारण वह न पढ़ी जाए, तो यह स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। आप कुछ पढ़ें या न पढ़ें, कोई किसी को इम्पोज नहीं कर सकता, लेकिन आप प्रतिबंधित करके कोई भाषा रोक दें, तो यह नहीं होना चाहिए। वहां पर सबसे बड़ा संकट भ्रष्टाचार का है। वहां पर हमारी भाजपा इकाई ने लोकटक झील में 224 करोड़ के घोटाले को उठाया और सरकार से अपील की है कि इस मामले को उठाए। अभी तक उसको कोई जवाब नहीं दिया गया है। उपसभापति महोदय, इसके बावजूद वहां पर उत्सव और खेलकूद वहां की प्राण रेखा है। उत्तर भारत में क्या होली मनाई जाती है, पूरे उत्तर भारत की होली मणिपुर की होली के आगे फीकी है। मणिपुर में पांच दिन तक कुछ नहीं होता है और केवल होली का उत्सव होता है। यह